Ans. (c) : 2015-16 सत्र के दौरान राजस्थान में भूमि-जोतों का औसत 2.73 हेक्टेयर था तथा इस दौरान भूमि-जोतों की कुल संख्या 76.55 लाख थी। वर्ष 2010-11 के दौरान कृषि भूमि-जोतों का औसत 3.07 हेक्टेयर था।

1387. राजस्थान में 'वालरा' क्या है?

(a) बागवानी (b) मछली पालन
(c) वैज्ञानिक खेती (d) चलायमान खेती

Junior Instructor Welder Dt. 26.03.2019

Ans. (d) : राजस्थान में 'वालरा' एक प्रकार की कृषि पद्धति है जिसे स्थानान्तरित या चलायमान कृषि कहा जाता है। इस प्रकार की कृषि में भूमि का उपयोग दो या तीन वर्षों के अन्तराल पर किया जाता है। इस प्रकार की कृषि को असम में जूमिंग/झूमिंग, मध्यप्रदेश में कुमारी तथा राजस्थान में वालरा कहते हैं। अतः विकल्प (d) चलायमान कृषि सही है।

1388. राजस्थान में मूंगफली की फसल के उत्पादन के लिए सर्वश्रेष्ठ मृदा कौनसी है?

(a) काली मृदा (b) पीली मृदा
(c) जलोढ़ मृदा (d) रेगुर मृदा

Puskalyadyaksh Grade III 2018 Exam-19.09.2020

Ans. (a) : मूंगफली के लिए 30-35° सेन्टीग्रेड तापमान, 50 से 75 सेमी. वार्षिक वर्षा एवं कैल्शियम युक्त मिट्टी या हल्की काली मिट्टी उपयुक्त होती है। मूंगफली के प्रमुख उत्पादक जिले जयपुर व बीकानेर है। मूंगफली उत्पादन के कारण लूणकरसर (बीकानेर) को राजस्थान का राजकोट कहा जाता है। मुंगफली उत्पादन में राजस्थान का गुजरात के बाद द्वितीय स्थान है।

1389. राजस्थान का कौन सा जिला सोयाबीन का सबसे बड़ा उत्पादक है:

(a) भरतपुर (b) जयपुर
(c) चित्तौड़गढ़ (d) अजमेर

Junior Engineer Non TSP 2015

Ans. (c) : दिए गये विकल्पों में चित्तौड़गढ़ सर्वाधिक सोयाबीन उत्पादक जिला है। राजस्थान के कोटा-बारां जिले में सोयाबीन का सर्वाधिक उत्पादन होता है। सोयाबीन को 20वीं सदी के 'गोल्डन बीन' के रूप में जाना जाता है। भारत में सर्वाधिक सोयाबीन उत्पादक राज्य महाराष्ट्र है। सोयाबीन उत्पादन में राजस्थान का तीसरा स्थान है।

1390. कुल बोये गये क्षेत्र का बाजरा के अन्तर्गत अधिकतम प्रतिशत क्षेत्र राजस्थान के जिन जिलों में वहाँ है:

(a) जैसलमेर-बाड़मेर
(b) आलवर-भरतपुर
(c) श्री गंगानगर-हनुमानगढ़
(d) डूगरपुर-बानस्वरा

Junior Engineer Non TSP 2015

Ans. (a) : राजस्थान में जैसलमेर-बाड़मेर में कुल बोये गये बाजरा का प्रतिशत क्षेत्र अधिकतम है। बाजरा राजस्थान की सबसे प्रसिद्ध एवं सर्वाधिक क्षेत्र में बोयी जाने वाली फसल है। बाजरे के उत्पादन में राजस्थान का भारत में प्रथम स्थान है। राजस्थान के प्रमुख बाजरा उत्पादक जिले- जोधपुर, जैसलमेर, बाड़मेर, जालौर, नागौर, जयपुर, सीकर, बीकानेर आदि हैं।

1391. सन्तरों के उत्पादन के कारण किस जिले को राजस्थान का 'छोटा नागपुर' कहा जाता है?

(a) झालावाड़ (b) कोटा
(c) बारां (d) बूँदी

MOTAR VAHAN UPNIRIKSHAN 15.09.2021

Ans. (a) : संतरों के उत्पादन के कारण राजस्थान का झालावाड़ जिला 'छोटा नागपुर' के नाम से जाना जाता है क्योंकि यहाँ पर नागपुर की तरह काफी बड़े क्षेत्र में संतरे की खेती की जाती है। यहाँ का संतरा नागपुर के संतरे की तरह ही स्वादिष्ट होता है।

1392. भारत की वह कौनसी सी फ़सल है जिसका करीब आधा उत्पादन राजस्थान में होता है?

(a) रेपसीड व सरसों (b) तिलहन
(c) कपास (d) मक्का

MOTAR VAHAN UPNIRIKSHAN 2011

Ans. (a) : आर्थिक समीक्षा 2021-22 के आँकड़ों के अनुसार रेपसीड व सरसों का 44.57 प्रतिशत हिस्सा राजस्थान द्वारा उत्पादित किया जाता है। इसके साथ ही देश के कुल मोटे अनाज का सर्वाधिक उत्पादन (16.30%) राजस्थान में होता है।

1393. राजस्थान के किस भाग में सर्वाधिक मक्का उत्पादन होता है?

(a) जयपुर संभाग (b) कोटा संभाग
(c) उदयपुर संभाग (d) जोधपुर संभाग

MOTAR VAHAN UPNIRIKSHAN 2011

Ans. (c) : राजस्थान में मक्का का सर्वाधिक उत्पादन उदयपुर संभाग में किया जाता है। इसके अंतर्गत भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़ बाँसवाड़ा एवं उदयपुर के क्षेत्र शामिल हैं। भीलवाड़ा जिले में मक्का का सर्वाधिक उत्पादन होता है।

1394. निम्नलिखित जिलों में से कौन-सा एक राजस्थान में गन्ने का सबसे बड़ा उत्पादक है?

(a) जोधपुर (b) गंगानगर
(c) बूंदी (d) सिरोही

48 LA2018_Question Paper Code-48

Ans. (b) : राजस्थान में गन्ने का सबसे बड़ा उत्पादक जिला गंगानगर है। इसके बाद बूंदी का स्थान है। राज्य स्तर पर सर्वाधिक गन्ना उत्पादन में उत्तर प्रदेश प्रथम स्थान पर एवं महाराष्ट्र द्वितीय स्थान पर है।

1395. आर्थिक समीक्षा 2017-18 के अनुसार राजस्थान में राष्ट्रीय बागवानी मिशन के लिए चयनित जिलों की संख्या है?

(a) 22 (b) 23
(c) 24 (d) 25

48 LA2018_Question Paper Code-48

Ans. (c) : आर्थिक समीक्षा 2017-18 के अनुसार, राजस्थान में राष्ट्रीय बागवानी मिशन के तहत 24 जिलों का चयन किया गया है। राष्ट्रीय बागवानी मिशन वर्ष 2005-06 में प्रारम्भ किया गया। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत बागवानी उत्पादों के उत्पादन, फसल परवर्ती प्रबंधन और विपणन मामलों को शामिल किया जाता है। इस मिशन का वित्त पोषण अनुपात केन्द्र व राज्य सरकार का क्रमशः 40:60 है।

1396. कृषि उपज रहन ऋण योजना के अंतर्गत छोटे और सीमांत किसानों को राजस्थान सरकार द्वारा उनके संचित उत्पाद पर कितना ऋण दिया जाएगा?